



Shodhpith

International Multidisciplinary Research Journal

(International Open Access, Peer-reviewed & Refereed Journal)
(Multidisciplinary, Bimonthly, Multilanguage)

Volume: 2

Issue: 4

July-August 2026

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और आत्मविश्वास का विश्लेषणात्मक अध्ययन

अंशु श्रीवास्तव

शोधार्थी, बाबू बनारसी दास यूनिवर्सिटी, लखनऊ

डॉ. शिवानी भटनागर

पर्यवेक्षिका, बाबू बनारसी दास यूनिवर्सिटी, लखनऊ

Article Info: (Received- 19/04/2026, Accept- 20/5/2026, Published- 06/07/2026)

DOI- [10.64127/Shodhpith.2026v2i40010](https://doi.org/10.64127/Shodhpith.2026v2i40010)

सारांश

प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और आत्मविश्वास के पारस्परिक संबंध से संबंधित उपलब्ध शोध-साहित्य का बिब्लियोमेट्रिक एवं विश्लेषणात्मक अवलोकन प्रस्तुत करना है। साहित्य की पहचान के लिए आत्मविश्वास, आत्म-प्रभावकारिता, शैक्षिक उपलब्धि, शैक्षिक प्रदर्शन और विद्यार्थियों जैसे प्रमुख शब्दों को आधार बनाया गया तथा उपलब्ध डिजिटल विद्वतापूर्ण स्रोतों में प्रकाशित अध्ययनों का चयन किया गया। बिब्लियोमेट्रिक दृष्टिकोण के अंतर्गत प्रकाशन-विषय, प्रमुख अवधारणाएँ, उद्धरण-प्रभाव, शोध-प्रवृत्तियाँ तथा उभरते शोध-विषयों का गुणात्मक-संख्यात्मक अवलोकन किया गया। उपलब्ध साहित्य से स्पष्ट होता है कि आत्मविश्वास/आत्म-प्रभावकारिता और शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध शिक्षा-अनुसंधान का स्थायी विषय रहा है। व्यवस्थित समीक्षाएँ सामान्यतः सकारात्मक संबंध की ओर संकेत करती हैं, जबकि हाल की बिब्लियोमेट्रिक समीक्षाएँ प्रकाशन-वृद्धि, आत्म-प्रभावकारिता, शैक्षणिक उपलब्धि/प्रदर्शन तथा उच्च शिक्षा जैसे प्रमुख अक्षरों-समूहों के उभरने को दर्शाती हैं।

मुख्य शब्द- आत्मविश्वास, आत्म-प्रभावकारिता, शैक्षिक उपलब्धि, शैक्षिक प्रदर्शन, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा, बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण, साहित्य समीक्षा।

1. प्रस्तावना

शैक्षिक उपलब्धि विद्यार्थी के शैक्षिक विकास का एक प्रमुख संकेतक है। इसके निर्धारण में बौद्धिक क्षमता, अध्ययन-अभ्यास, अभिप्रेरणा, सामाजिक समर्थन, विद्यालयीय वातावरण तथा विद्यार्थी की अपनी क्षमता के प्रति धारणा जैसे अनेक घटक योगदान कर सकते हैं। आत्मविश्वास और आत्म-प्रभावकारिता इसी मनोवैज्ञानिक क्षेत्र की महत्वपूर्ण अवधारणाएँ हैं। बंडूरा के सामाजिक-संज्ञानात्मक दृष्टिकोण के अनुसार व्यक्ति की अपनी क्षमता के बारे



में धारणा उसके प्रयास, लक्ष्य-निर्धारण और कठिनाइयों के सामने बने रहने को प्रभावित कर सकती है।

वर्तमान शोध में विषय को अनुभवजन्य नमूना-अध्ययन के स्थान पर प्रकाशित साहित्य के मानचित्रण के रूप में लिया गया है। विशेष रूप से, 2016 की व्यवस्थित समीक्षा ने 59 अध्ययनों के आधार पर अकादमिक आत्म-प्रभावक, रारिता और अकादमिक प्रदर्शन के बीच मध्यम संबंध की सूचना दी। 2018 के मेटा-विश्लेषण ने आत्म-प्रभावकारिता और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच पारस्परिक संबंध की ओर संकेत किया। 2025 की समीक्षा ने Scopus से 2004-2024 के बीच 480 प्रकाशनों का मानचित्रण किया और self-efficacy तथा academic achievement/performance को प्रमुख शोध-विषयों के रूप में रेखांकित किया।

2. शोध समस्या

“उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और आत्मविश्वास से संबंधित शोध-साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन।”

3. अध्ययन के उद्देश्य

- उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और आत्मविश्वास से संबंधित उपलब्ध शोध-साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन करना।
- आत्मविश्वास/आत्म-प्रभावकारिता और शैक्षिक उपलब्धि से संबंधित प्रमुख शोध-विषयों की पहचान करना।
- इस क्षेत्र में प्रकाशित साहित्य के प्रमुख शोध-रुझानों और ज्ञान-समूहों का विश्लेषण करना।
- शोध में प्रयुक्त प्रमुख अवधारणाओं, संदर्भों और उभरते विषयों की पहचान करना।
- भविष्य के शोध के लिए संभावित अंतराल और दिशाओं को रेखांकित करना।

4. अनुसंधान प्रश्न

- आत्मविश्वास और शैक्षिक उपलब्धि पर शोध की प्रमुख प्रवृत्तियाँ क्या हैं?
- कौन-सी अवधारणाएँ और कीवर्ड इस क्षेत्र में बार-बार दिखाई देते हैं?
- आत्म-प्रभावकारिता और शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध को साहित्य किस प्रकार प्रस्तुत करता है?
- उच्चतर माध्यमिक स्तर के संदर्भ में कौन-से शोध-अंतराल दिखाई देते हैं?

5. शोध पद्धति

5.1 शोध की प्रैति

यह अध्ययन द्वितीयक स्रोतों पर आधारित बिलियोमेट्रिक साहित्य-अध्ययन है। इसका उद्देश्य प्रकाशित शोध के ज्ञान-परिदृश्य को व्यवस्थित रूप से समझना है।

5.2 साहित्य खोज की अवधारणा

खोज के लिए प्रमुख अवधारणात्मक शब्दों को जोड़ों में देखा गया, “self-confidence”/“self-efficacy” + “academic achievement”/“academic performance” + “students”/“secondary school”/“higher education”. विषय-संबंधी प्रकाशित शोध, व्यवस्थित समीक्षाएँ तथा बिलियोमेट्रिक अध्ययन प्राथमिक साहित्य आधार के रूप में लिए गए।

5.3 विश्लेषण की इकाइयाँ

विश्लेषण में प्रकाशन-वर्ष, विषयगत फोकस, प्रमुख कीवर्ड, शोध-स्तर, पद्धति तथा साहित्य द्वारा प्रतिपादित संबंधों को मुख्य इकाइयों के रूप में देखा गया। वास्तविक VOSviewer नेटवर्क-मानचित्र के लिए पूर्ण Scopus/Web of Science निर्यात फ़ाइल आवश्यक होती है; उपलब्ध स्रोतों के आधार पर यहाँ बिलियोमेट्रिक निष्कर्षों को

स्रोत-रिपोर्टेड परिणामों के रूप में प्रस्तुत किया गया है

6. साहित्य का बिब्लियोमेट्रिक अवलोकन

स्रोत/अध्ययन	वर्ष	दृष्टिकोण	मुख्य फोकस/निष्कर्ष
Honicke एवं Broadbent	2016	व्यवस्थित समीक्षा	59 अध्ययनों में अकादमिक आत्म-प्रभावकारिता और प्रदर्शन के बीच मध्यम संबंध
Sitzmann एवं Yeo	2018	मेटा-विश्लेषण	आत्म-प्रभावकारिता और प्रदर्शन के बीच पारस्परिक संबंध
Wani एवं Sarraf	2026	व्यवस्थित समीक्षा	Academic self-concept और academic achievement के संबंध का साहित्य-संश्लेषण
Ab Rahman et al.	2025	बिब्लियोमेट्रिक समीक्षा	Scopus के 480 प्रकाशनों का 2004-2024 मानचित्रण
Afra et al.	2026	बिब्लियोमेट्रिक/SLR	2021-2025 में self-efficacy और learning outcomes; VOSviewer आधारित मानचित्रण
Astuti, Hendar एवं Sugiarto	2026	सहसंबंधात्मक अध्ययन	160 विद्यार्थियों में self-confidence और academic achievement
Costa et al.	2024	व्यवस्थित समीक्षा	मध्य से माध्यमिक स्तर तक academic achievement के निर्धारक
Primawati, Wiji एवं Mulyani	2026	व्यवस्थित साहित्य समीक्षा	self-efficacy, academic achievement और learning engagement

तालिका में दी गई प्रवृत्तियाँ संबंधित प्रकाशित स्रोतों में रिपोर्ट किए गए अध्ययन-डिजाइन और निष्कर्षों का संक्षिप्त संश्लेषण हैं।

7. प्रमुख शोध-प्रवृत्तियाँ

7.1 आत्म-प्रभावकारिता से शैक्षिक उपलब्धि की ओर

साहित्य में self-efficacy एक केंद्रीय अवधारणा के रूप में दिखाई देती है। Honicke एवं Broadbent की समीक्षा में अकादमिक self-efficacy और academic performance के बीच मध्यम संबंध पाया गया। इसके साथ ही उन्होंने effort regulation] deep processing strategies और goal orientations जैसे मध्यस्थ/परिवर्तक कारकों को भी रेखांकित किया।

7.2 संबंध की पारस्परिकता

Sitzmann और Yeo के मेटा-विश्लेषण ने इस क्षेत्र में केवल "विश्वास से उपलब्धि" की एकदिशीय व्याख्या के स्थान पर उपलब्धि से आत्म-प्रभावकारिता की ओर जाने वाले संभावित प्रभाव को भी महत्व दिया। इससे संकेत मिलता है कि सफल शैक्षिक अनुभव विद्यार्थी के आत्मविश्वास को मजबूत कर सकते हैं और मजबूत आत्म-प्रभावकारिता आगे के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है।

7.3 बिब्लियोमेट्रिक विस्तार

2025 की बिब्लियोमेट्रिक समीक्षा में 480 Scopus प्रकाशनों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन के अनुसार 2016-2021 में प्रकाशनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जबकि 2022-2023 में ठहराव और 2024 में कमी देखी गई। संयुक्त राज्य अमेरिका प्रमुख योगदानकर्ता देश तथा Universidad de Granada प्रमुख सक्रिय संस्थान के रूप में रिपोर्ट हुआ। प्रमुख कीवर्डों में self-efficacy, higher education, academic performance और academic achievement शामिल थे।

7.4 विद्यालयी स्तर पर शोध

हाल के साहित्य में माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर self-confidence/self-efficacy और academic achievement को जोड़ने वाले अध्ययन दिखाई दे रहे हैं। 2026 के एक अध्ययन ने मदरसा के 160 कक्षा-अष्टम विद्यार्थियों में self-confidence और academic achievement का संबंध जाँचा। इससे स्पष्ट है कि यह विषय केवल उच्च शिक्षा तक सीमित नहीं है।

8. प्रमुख कीवर्ड एवं वैचारिक समूह

वैचारिक समूह	प्रमुख शब्द	शोध में निहित अर्थ
मनोवैज्ञानिक विश्वास	self-confidence, self-efficacy, self-concept	विद्यार्थी की अपनी क्षमता के बारे में धारणा
शैक्षिक परिणाम	academic achievement, academic performance, learning outcomes	शैक्षिक कार्य-संपादन और उपलब्धि
अधिगम व्यवहार	effort regulation, engagement, motivation, goal orientation	उपलब्धि को प्रभावित करने वाले व्यवहारिक/प्रेरक कारक
शैक्षिक संदर्भ	students, secondary school, higher education	अध्ययन का स्तर एवं जनसंख्या
सामाजिक/शैक्षिक समर्थन	teacher, classroom, social support	विश्वास एवं उपलब्धि के विकास में संदर्भगत कारक

यह वैचारिक वर्गीकरण चयनित साहित्य के प्रमुख विषयों का संश्लेषण है; इसे किसी एक डेटाबेस से निकले वास्तविक बव-वबबनततमदबम बसनेजमत के रूप में नहीं पढ़ा जाना चाहिए।

9. साहित्य से प्राप्त प्रमुख निष्कर्ष

- आत्म-प्रभावकारिता और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच सकारात्मक/मध्यम संबंध साहित्य में बार-बार दिखाई देता है।
- आत्मविश्वास का प्रभाव अकेले नहीं समझा जा सकता; प्रयास-नियमन, लक्ष्य-अभिमुखता, सीखने की रणनीतियाँ और सामाजिक समर्थन जैसे कारक महत्वपूर्ण हैं।
- शैक्षिक उपलब्धि और आत्म-प्रभावकारिता के बीच संबंध संभावित रूप से पारस्परिक हो सकता है।
- बिब्लियोमेट्रिक साहित्य में self&efficacy, academic achievement और academic performance केंद्रीय कीवर्ड के रूप में उभरते हैं।
- हाल के वर्षों में बिब्लियोमेट्रिक और व्यवस्थित साहित्य समीक्षाओं की संख्या बढ़ी है, जिससे विषय के ज्ञान-परिदृश्य को मानचित्रित करने की प्रवृत्ति मजबूत हुई है।
- उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में बड़े पैमाने के बिब्लियोमेट्रिक अध्ययनों की आवश्यकता अभी भी दिखाई देती है।

उपलब्ध साहित्य के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि आत्मविश्वास/आत्म-प्रभावकारिता और शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध शिक्षा-मनोविज्ञान और शैक्षिक अनुसंधान का महत्वपूर्ण विषय है। हालांकि, "आत्मविश्वास अधिक होने से उपलब्धि स्वतः अधिक होगी" जैसी सरल रैखिक व्याख्या पर्याप्त नहीं है। उपलब्ध शोध यह संकेत करता है कि विद्यार्थी के प्रयास, लक्ष्य, सीखने की रणनीतियाँ और सामाजिक-शैक्षिक वातावरण इस संबंध को प्रभावित करते हैं।

बिब्लियोमेट्रिक दृष्टि से विषय का विस्तार self-efficacy से academic achievement] engagement, motivation] self&concept vkSj learning outcomes की ओर हुआ है। इसलिए भविष्य का शोध केवल दो चरों के संबंध तक सीमित न रहकर बहु-चर एवं संदर्भ-आधारित मॉडल विकसित कर सकता है।

10. शोध-अंतराल

- भारतीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों पर केंद्रित बड़े और व्यवस्थित बिब्लियोमेट्रिक अध्ययन अपेक्षाकृत कम हैं।
- Self-confidence और self-efficacy को समानार्थी मानने के बजाय इनके वैचारिक अंतर को स्पष्ट करना आवश्यक है।
- लिंग, संकाय, सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और विद्यालयीय वातावरण के अनुसार शोध-प्रवृत्तियों का पृथक मानचित्रण किया जा सकता है।
- भविष्य के अध्ययन में Scopus और Web of Science दोनों से निर्यातित डेटा लेकर सह-लेखक, सह-उद्धरण और कीवर्ड सह-घटना नेटवर्क का वास्तविक VOSviewer विश्लेषण किया जा सकता है।

- भारतीय भाषाओं और स्थानीय जर्नलों के साहित्य को शामिल करने से वर्तमान ज्ञान—मानचित्र अधिक प्रतिनिधिक हो सकता है।

11. शैक्षिक निहितार्थ

- विद्यालयों में विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए सकारात्मक प्रतिपुष्टि और अवसर—आधारित शिक्षण अपनाया जाना चाहिए।
- शिक्षकों को लक्ष्य—निर्धारण, आत्म—नियमन और कठिन कार्यों में निरंतर प्रयास को प्रोत्साहित करना चाहिए।
- कम आत्मविश्वास वाले विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन, सहपाठी—सहयोग और क्रमिक सफलता के अवसर उपयोगी हो सकते हैं।
- शैक्षिक उपलब्धि सुधार कार्यक्रमों में मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षिक दोनों कारकों को सम्मिलित करना चाहिए।

12. निष्कर्ष

यह बिब्लियोमेट्रिक—आधारित शोध—पत्र इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि विद्यार्थियों की आत्म—प्रभावकारिता/आत्मविश्वास और शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध पर पर्याप्त और निरंतर विकसित होता हुआ शोध—साहित्य उपलब्ध है। व्यवस्थित समीक्षाएँ सामान्यतः सकारात्मक संबंध की ओर संकेत करती हैं, जबकि बिब्लियोमेट्रिक अध्ययन इस क्षेत्र में प्रकाशन—वृद्धि और self&efficacy तथा academic achievement/performance के केंद्रीय स्थान को दर्शाते हैं। साथ ही, शोध—साहित्य यह स्पष्ट करता है कि इस संबंध को प्रयास, अभिप्रेरणा, सीखने की रणनीतियों और सामाजिक—शैक्षिक संदर्भ से अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के भारतीय संदर्भ में इस विषय पर केंद्रित वास्तविक डेटाबेस—आधारित बिब्लियोमेट्रिक अध्ययन भविष्य के लिए उपयोगी दिशा है।

13. अध्ययन की सीमाएँ

- यह शोध—पत्र उपलब्ध प्रकाशित एवं सत्यापनयोग्य साहित्य के संश्लेषण पर आधारित है।
- चयनित संदर्भों की संख्या सीमित रखी गई है; अतः इसे पूर्ण वैश्विक डेटाबेस—सेंसस के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

Author's Declaration:

I/We, the author(s)/co-author(s), declare that the entire content, views, analysis, and conclusions of this article are solely my/our own. I/We take full responsibility, individually and collectively, for any errors, omissions, ethical misconduct, copyright violations, plagiarism, defamation, misrepresentation, or any legal consequences arising now or in the future. The publisher, editors, and reviewers shall not be held responsible or liable in any way for any legal, ethical, financial, or reputational claims related to this article. All responsibility rests solely with the author(s)/co-author(s), jointly and severally. I/We further affirm that there is no conflict of interest financial, personal, academic, or professional regarding the subject, findings, or publication of this article.

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Bandura, A. (1997). *Self-Efficacy: The Exercise of Control*. New York: W. H. Freeman.
2. Honicke, T., & Broadbent, J. (2016). The influence of academic self-efficacy on academic performance: A systematic review. *Educational Research Review*, 17, 63–84. <https://doi.org/10.1016/j.edurev.2015.11.002>.
3. Sitzmann, T., & Yeo, G. (2018). A meta-analytic cross-lagged panel analysis of self-efficacy and academic performance. *Learning and Individual Differences*, 61, 136–150. <https://doi.org/10.1016/j.lindif.2017.11.015>.
4. Ab Rahman, L., Mohd Suffian, M. T., Tarmizi, M. A., Shamsudin, S. M., & Nustini, Y. (2025). Unpacking Student Confidence and Performance in Higher Education: A Bibliometric Review of Self-Efficacy and Academic Achievement. *International Journal of Research and Innovation in Social Science*, 9(III), 2771–2783. <https://doi.org/10.47772/IJRISS.2025.903SEDU0210>.
5. Wani, S. A., & Sarraf, D. K. (2026). Exploring the Relationship Between Academic Self-Concept and



- Academic Achievement: A Systematic Review. *The Asia-Pacific Education Researcher*, 35, 859–868. <https://doi.org/10.1007/s40299-026-01089-y>.
6. Afra, A., Widiarti, N., Subali, B., & Ellianawati. (2026). *Kajian Literatur: Analisis Bibliometrik Hubungan Self-Efficacy dengan Hasil Belajar (2021–2025)*. *JS (Jurnal Sekolah)*, 10(4), 1220–1234. <https://doi.org/10.24114/dzedp230>.
 7. Astuti, I., Hendar, K., & Sugiarto. (2026). The Relationship Between Self-Confidence and Academic Achievement of Students at Madrasah. *Jurnal Studi Guru dan Pembelajaran*, 9(2). <https://doi.org/10.30605/jsdp.9.2.2026.9640>.
 8. Costa, A., Moreira, D., Casanova, J., Azevedo, Â., Gonçalves, A., Oliveira, Í., Azevedo, R., & Dias, P. C. (2024). Determinants of academic achievement from the middle to secondary school education: A systematic review. *Social Psychology of Education*, 27, 3533–3572. <https://doi.org/10.1007/s11218-024-09941-z>.
 9. Primawati, R. I., Wiji, W., & Mulyani, S. (2026). The Effect of Self-Efficacy on Academic Achievement and Learning Engagement: A Systematic Literature Review. *Jurnal Penelitian Pendidikan IPA*, 12(1), 1–11. <https://doi.org/10.29303/jppipa.v12i1.12609>.
 10. Valencia-Vallejo, N., et al. (2016). Bibliometric research on students' self-efficacy in computational environments.

Cite this Article

"अंशु श्रीवास्तव; डॉ. शिवानी भटनागर", "उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और आत्मविश्वास का विश्लेषणात्मक अध्ययन", *Shodhpith International Multidisciplinary Research Journal*, ISSN: 3049-3331 (Online), Volume:2, Issue:04, July-August 2026.

"Copyright © 2026 The Author(s). This work is licensed under Creative Commons Attribution 4.0 (CC-BY), allowing others to use, share, modify, and distribute it with proper credit to the author."

